चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का 6,598 करोड़ रुपये बकाया

नई दिल्ली। चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का छह हजार पांच सौ 98 करोड़ रुपये बकाया है। दो हजार आठ सौ 77 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया के साथ उत्तर प्रदेश सबसे शीर्ष पर है। शुक्रवार को संसद में खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के राज्यमंत्री सीआर चौधरी ने इसकी जानकारी दी। चौधरी ने बताया कि इस कुल बकाया में से पांच हजार तीन सौ 68 करोड़ रुपये मौजूदा वित्त वर्ष 2015-16 (अक्तूबर-सितंबर) का है, जबकि 577 करोड़ रुपये 2014-15, 653 करोड़ 2013-14 और इससे पहले के विपणन वर्ष का बकाया हैं।

राज्यसभा में लिखित जवाब में चौधरी ने मौजूदा गन्ना सत्र 2015-16 के अलावा 2014-15, 2013-14 और इससे पहले के सत्रों के गन्ना मूल्य बकाया की राज्यवार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान सतत प्रक्रिया है। हालांकि समय-समय पर गन्ना मूल्य के भुगतान में बदलाव और बकाया बढ़ने से काफी संख्या में किसान प्रभावित हो जाते हैं। सरकार इससे प्रभावित किसानों की संख्या का आंकड़ा नहीं जुटाती है। एजेंसी

केंद्रीय राज्यमंत्री सीआर चौधरी ने बकाया का राज्यवार ब्योरा दिया, गन्ना मूल्य में बदलाव व बकाया बढ़ने से प्रभावित हो जाते हैं किसान

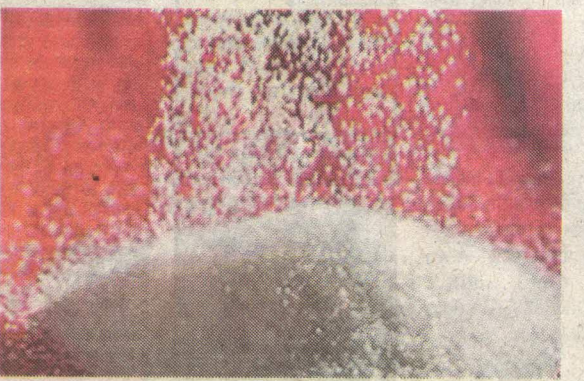

यूपी की चीनी मिलों पर किसनों का 2800 करोड़ रुपये बकाया

राज्यमंत्री सीआर चौधरी ने बताया कि मौजूदा गन्ना सत्र 2015-16 में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों पर किसानों का दो हजार आठ सौ 77 करोड़ रुपये बकाया है। इसके बाद एक हजार 30 करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य बकाया के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। वहीं, सबसे ज्यादा गन्ना उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में गन्ना मूल्य बकाया 411 करोड़ रुपये, पंजाब में 226करोड़ रुपये, उत्तराखंड में 209 करोड़ रुपये, हरियाणा में 126 करोड़ रुपये, गुजरात में 203 करोड़ रुपये और कर्नाटक में 108 करोड़ रुपये है।